



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-12-2025

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-24	2025-12-25	2025-12-26	2025-12-27	2025-12-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.9	25.5	24.9	24.5	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.9	11.5	11.4	10.9	10.6
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	68	66	67	64	62
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	28	27	25	24	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	7.5	6.8	6.4	7.1
पवन दिशा (डिग्री)	295	287	295	297	294
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में आसमान साफ रहेगा और बारिश की कोई संभावना नहीं है। तापमान में कमी की संभावना है। हालांकि, हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोहरा

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

खड़ी फसलों पर बीमारी का प्रकोप

सामान्य सलाहकार:

तापमान में कमी तथा कोहरे की संभावना को देखते हुए किसान भाई खड़ी फसलों जैसे आलू, सरसों, सब्जियों में बीमारी के प्रकोप दिखने पर तुरंत उपाय करें। कम तापमान और नमी के तनाव से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सुबह के समय खड़ी सब्जियों और फसलों में हल्की सिंचाई करें। कम तापमान के कारण खराब अंकुरण से बचने के लिए सब्जियों की नर्सरी के ऊपर कम लागत वाले पॉलिथिन कवर का उपयोग करें। चूंकि शुष्क मौसम का पूर्वानुमान है, इसलिए किसानों को हाल ही में बोई गई रबी फसलों और नई पौधों को नमी के तनाव से बचाने के लिए पर्याप्त पानी से सिंचाई करनी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

मटर की फसलों में 2% यूरिया के घोल का छिड़काव करें जिससे मटर की फलियों की संख्या में बढ़ोतरी हो सके।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	देर से बोई गई गेहूँ की फसल यदि 21-25 दिन की हो जाए तो आवश्यकतानुसार पहली सिंचाई करें। सिंचाई के 3-4 दिन बाद नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा का छिड़काव करें। गेहूँ की फसल में खरपतवार प्रबंधन के लिए मेटा सल्फ्यूरॉन 8 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी प्रति एकड़ का उपयोग करें।
चना	चने की फसल में फली छेदक कीट की निगरानी के लिए यदि फूल 10-15% तक पहुंच गया हो तो प्रति एकड़ 3-4 ट्रेप की दर से फेरोमोन ट्रेप लगाने की सलाह दी जाती है। कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फसल के खेत और उसके आसपास "टी" आकार के पक्षियों के बैठने की व्यवस्था करें।
सरसों	समय से बोए गए सरसों की फसल अपने वानस्पतिक अवस्था में है। अगर पौधे एक ही जगह पर ज्यादा हो तो विरलीकरण की क्रिया सुनिश्चित करें, जिससे पौधों को सही ढंग से नमी, हवा तथा तापमान प्राप्त होती रहेगी। इस अवस्था के सरसों में लाही कीट की संभावना रहती है जिसके बचाव हेतु किसान भाई इमिडाक्लोप्रिड दवा का छिड़काव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	25 से 30 दिन पुरानी आलू की फसल में मिटटी चढ़ाने के कार्य को पूरा करें तथा मिटटी को भुरभुरा कर नत्रजन की शेष बची मात्रा मिलाएं (65 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़)। कहीं-कहीं आलू के फसल में अंगमारी रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। इस रोग के कारण निचली पत्तियों पर छोटे, फीके-भूरे चमकदार धब्बे बनते हैं जो धीरे-धीरे ऊपर वाली पत्तियों पर फैलाने लगते हैं और अंत में पत्तियां सिकुड़कर गिर जाती हैं। पौधों में ऐसा लक्षण देखते ही तुरंत फफूंदनाशी दवा रीडोमिल का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से करें।
गोभी	गोभीवर्गीय फसल में लाही कीट के प्रकोप की संभावना को देखते हुए किसान भाई इसके बचाव के लिए किनोल्फोस 25 % ई सी का छिड़काव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के साथ करें।
टमाटर	जिन किसान भाइयों के टमाटर के पौधे मुरझाकर सूख रहे हैं तो वे तांबे आधारित फफूंदनाशी एवं स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 0.3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2-3 छिड़काव करें। साथ ही रोग ग्रसित पौधों को खेत से निकल दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को खुरपका मुहपका रोग से बचाव हेतु पशुचिकित्सक के निगरानी में एफ.एम.डी. टिका लगावाएं।

मछली पालन विशिष्ट सलाह:

मछली पालन	मछली पालन विशिष्ट सलाह
आम सीएआर पी	वातावरण में तापमान में कमी के साथ-साथ पानी के तापमान में भी कमी होने के कारण तालब में अधिक संख्या में मछली होने के चलते बहुत ही अधिक घातक एवं संक्रमक बीमारी (लाल धब्बा) होने के सम्भावना अधिक होने के साथ-साथ देखी भी जा रही है। अतः बचाव हेतु 1 लीटर एक्कानीम 10 एक्स 100 लीटर पानी में घोल बनाकर तालाब के सभी स्थान पर सामान मात्रा में छिड़काव करें। इसके छिड़काव से पानी कि कठोरता में बढ़त के साथ-साथ मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा में बढ़त हो जाती है। जिसके चलते मछली उत्पादन बढ़ जाता है।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

NIL

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

NIL

Farmers are advised to download Unified **☞Mausam☞** and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>